शिव आमंत्रण

RNI: RJHIN/ 2013/ 53539

वर्ष: 4, अंक: 4 | RNI: RJHIN/ 2013/ 53539 | शानदार अस्सी वर्ष पूर्ण करने पर ब्रह्मा कुमारीज विशेषांक | हिन्दी (मासिक), अप्रैल- 2016, सिरोही, पृष्ठ: 4, मूल्य: 6 रुपए

यहां है नारी को दुर्गा और लक्ष्मी बनाने की पाठशाला ...पेज - 2

परमात्मा की छत्रछाया में सेफ महसूस करती हूँ ....पेज - 2

कड़वाहट और मतभेदों को परमात्मा पर करें अर्पण: दादी ...पेज - 3

महिलायें ही देश का भविष्य उज्जवल बनायेगी -अमृता ...पेज - 3

स्वर्णिम भारत निर्माण के लिए करें मन की सफाई-शिवानी ...पेज - 4

महिलाएं करें कुरीतियों का संहार-ठाकुर ...पेज - 4

वर्तमान समय में महिलाओं द्वारा संचालित विशाल संगठन के आठ दशक तक निर्वाध रूप से पूरा करना किसी अजूबे से कम नहीं है। ऐसे तथ्यों के बारे में सिर्फ सोचा जा सकता है। परन्तु इस तथ्यों को साकार में उतारने का कार्य किया है ब्रह्माकुमारीज संस्थान ने। वास्तव में ब्रह्माकुमारीज संस्था व्यक्ति गत स्तर पर आंतरिक बदलाव, सशक्तिकरण, नर से नारायण तथा नारी से लक्ष्मी बनने, विकारों को दग्ध करने, एकता के सूत्र में पिरोने, श्रेष्ठ संस्कार देने, पवित्र गृहस्थ बनाने, जाति धर्म की दीवारों को तोड़ने, भाषा भेद, रंग भेद तथा आपसी मनमुटाव की रस्सियों को तोड़ने के आंदोलन का नाम है। यदि गहरायी से देखा जाये तो प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय मानव के सर्वांगिण विकास की धूरी है। आध्यात्मिकता की छांव में धार्मिक उन्मादों, विभाजन, ईर्ष्या, नफरत, हिंसा, आतंकवाद, अपराध के भावों को जड़ से नष्ट किया जा सकता है। इस संस्थान का कोई भी मनुष्य मत नहीं है और ना ही मानवीय व्यवस्था। दिव्य शक्ति परमात्मा के निर्देशन में खुद को सर्वगुण सम्पन्न और बुराईयों से मुक्त होने की पहल है। यह ताज्जुब है कि ऐसे महान कार्य की मशाल उन महिलाओं के हाथों में है जो अधिकारों के लिए संघर्षरत है। परन्तु इस संस्थान से जुड़ी शिव शक्ति समान युवा बहनें तथा मातायें पुरूषों ही नहीं बल्कि समाज में सभी वर्गों के लोगों के अन्दर मानवीय मूल्यों को पल्लवित कर रही है। इनके प्रयास ने पूरे शि में महिलाओं को देवी और शक्ति के रूप में प्रतिस्थापित किया है। अस्सी वर्ष के बाद भी विचारधारा, मुहिम और बेहतरी के प्रयास आज भी लगातार जारी है।

राजयोग का प्रकाश

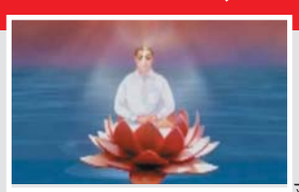

जीवन में मूल्य, संस्कार, शांति और सदभावना की स्थापना में राजयोग की महत्वपूर्ण भूमिका है। राजयोग का मतलब ही होता है आत्मा का परमात्मा के साथ योग अर्थात सम्बन्ध। मनुष्य के जीवन का आंतरिक बदलाव राजयोग से ही सम्भव है। क्योंकि राजयोग एक ऐसी पद्धति है जिससे दुनिया का हर मनुष्य कर सकता है। क्योंकि यह विधि स्वयं परमात्मा ने बतायी। ताकि दुनिया भर में रहने वाली सभी मनुष्यात्माएं ईश्वर के सान्निध्य से अपने जीवन को दैवी गुणों से भरपूर कर सके। यह संस्था के अस्सी वर्ष नहीं बल्कि राजयोग के भी अस्सी वर्ष हो गये। इसका रिजल्ट लाखों की संख्या में सकारात्मक जीवन वालों की विशाल रूहानी सेना है और दुनिया के लगभग हर मुल्कों में इसकी पहुंच है। परमात्मा इसी राजयोग को सीखा रहे है जो मनुष्य को देवता बनने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

राजयोगिनी दादी जानकी

वैसे तो इस संस्थान के सिद्धांत है कि पवित्रता, सत्यता, एकता, अखंडता, दिव्यता इस संस्थान के नियम और आधार स्तम्भ है। वर्तमान समय में राजयोगिनी दादी जानकी जिन्होंने हाल ही में सौ वर्ष पूरे किये है। वे संस्था की मुख्य प्रशासिका है। जिन्हें भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन की ब्रांड अम्बेसडर नियुक्त किया है। जिसके तहत संस्थान राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छता अभियान के जरिये लोगों को तन के साथ मन को स्वस्थ रखने के लिए प्रेरित कर रहा है।संस्थान के प्रारम्भ से जुड़ी हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय संस्थान की कमान महिलाओं के हाथ

यूँ तो इस संस्थान में स्त्री और पुरूष दोनो ही है। क्योंकि दोनो के बिना सहयोग के अच्छा समाज बन ही नहीं सकता। परन्तु संस्थान की बागडोर बहनों के हाथों में है। संस्थान के अनुसार परमात्मा ने ज्ञान का कलश माताओं बहनों के सिर पर रखकर नयी दुनिया के निर्माण का कार्य करा रहा है। आज केवल महिलाओं के अधिकारों के बारे में तमाम तरह की योजनाएं बनायी जा रही है इसके बावजूद भी अमलीजामा नहीं पहनाया जा रहा है। परन्तु ब्रह्माकुमारीज संस्थान ने माताओं बहनों में ऐसा ज्ञान का बीज प्रस्फुटित किया है जिससे मार्गदर्शक की भांति लोगों को सही रास्ता बताने का कार्य कर रही हैं। 46 हजार से ज्यादा अनुशासित और मूल्यों से परिपूर्ण बहनें संस्थान चलाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। यह विश्व का पहला संस्थान है जिसकी शीर्ष पर बहनें है। और दुनिया के सभी मुल्कों में अपने श्रेष्ठ जीवन के जरिये सतयुगी दुनिया बनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

माउण्ट आबू से विश्व शांति का उदघोष एवं सामाजिक गतिविधियां

राजस्थान और गुजरात का एकमात्र पर्यटन स्थल है माउण्ट आबू। वैसे भी माउण्ट आबू की गाथा शौर्य और धैर्य का प्रतीक माना जाता है। यहाँ नामचीन ऋषियों मुनियों ने जहाँ तपस्या कर पवित्र बनाया है। वहीं महाराणा प्रताप सरीखे वीरों ने अंग्रेजों से मुक्ति की योजनायें बनायी। माउण्ट आबू पूरी दुनिया में एक अलग जगह है। जहाँ आध्यात्मिकता की प्रकम्पन्न आज भी महसूस किये जा सकते है। भारत पाकिस्तान के विभाजन के बाद परमात्मा के निर्देशानुसार यह संस्था 21 मई 1950 को राजस्थान के मांउट आबू में स्थानान्तरित हो गयी। यहीं से पूरे विश्व में विश्व शांति का उदघोष का विशाल रूप धारण किया। **सामाजिक गतिविधियों का दायित्व** - अध्यात्म के साथ-साथ कई प्रकार के प्रयास किये जा रहे है जिससे समाज के लोगों में हिम्मत आ सके कि अध्यात्म के साथ परिवार को चलाना कठिन नहीं है। पर्यावरण, बाढ़ एवं सूखा पीड़ितों के लिए विशेष प्रयास, जल वितरण, असहायों एवं गरीबों को हर सम्भव मदद, भूकम्प तूफान एवं सुनामी में संस्था पूरी तरह से संलग्न, ग्राम विकास अभियान, स्वच्छता एवं साक्षरता अभियान, शाश्वत यौगिक खेती, बेटी बचाओ, सशक्त बनाओ, पानी बचाओ बिजली बचाओ अभियान, नशामुक्ति, काउसलिंग, महिलाओं, बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम आदि आयोजित कर मदद की जाती है। **वर्ष भर होने वाले कार्यक्रम:** संस्थान प्रभागों तथा सामूहिक रूप से राष्ट्रीय, अंतराष्ट्रीय, सम्मेलन, सेमिनार, संगोष्ठी, कार्यशाला, परिचर्चा, मेले, झांकी, शोभायात्रा, प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर लोगों में राजयोग ध्यान के जरिये सकारात्मक बदलाव का प्रयास जारी है।

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा के बचपन का नाम दादा लेखराज था। साठ साल की उम्र में दादा लेखराज को नयी दुनिया की स्थापना तथा पुरानी दुनिया की विनाश का साक्षात्कार हुआ। उन्हें यह मालूम हो गया था कि यह स्वयं परमात्मा शिव का ही कार्य है। परमात्मा शिव ने इन्हें नयी दुनिया बनाने का कार्यभार सौंपा। स्वयं भगवान भोलेनाथ शिव ने इनका कर्त्तव्यवाचक प्रजापिता ब्रह्मा के नाम से नामकरण किया। यही से प्रारम्भ हुआ नयी दुनिया बनाने की मुहिम का आगाज।

राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी

88 वर्ष की राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका है। बचपन से ही आध्यात्मिकता को जीवन में उतारकर पूरे विश्व को आलोकित करने वाली दादी को दिव्य दृष्टि का वरदान है। परमात्मा और आत्मा के महामिलन की माध्यम है। संस्था के प्रारम्भ में ही आ गयी।

क्यों हुई संस्था की स्थापना

अगर ईश्वरीय संविधान के अनुसार देखा जाये तो साफ है कि सभी धर्मों, ग्रन्थों, पुराणों में नयी दुनिया की स्थापना और पुरानी दुनिया के विनाश के लिए परमात्मा इस सृष्टि पर अवतरित होते है तथा अपना महान कार्य करते है। इसी के सन्दर्भ में कहा भी गया है कि यदा यदा ही धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत, अभ्युत्थानम अधर्मस्य तदात्मानम सृजाम्यहम। अर्थात जब जब इस सृष्टि पर अधर्म का राज होता है तब मैं इस सृष्टि पर अवतरित होकर अपना कार्य करता हूँ। ये सभी दृश्य हमारे सामने है। यह वही समय है जब परमात्मा को आकर इसकी स्थापना करनी पड़े ताकि ईश्वर के ज्ञान को लोग समझ सके। तनाव, अवसाद, लड़ाई झगड़ा, तेरा मेरा, जाति धर्म की दिवारों को तोड़ते मानवीय मूल्यों के पुनर्स्थापना की सख्त जरूरत है तब परमात्मा मानव शरीर का आधार लेकर नयी दुनिया की स्थापना का महान कार्य कर रहे हैं।

अनोखे जन्मदिन के अस्सी वर्ष

आपने किसी एक या दो व्यक्ति का एक ही दिन जन्मदिन तो सुना होगा। परन्तु प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की अस्सी सालगिरह सिर्फ संस्थान की हीं नहीं बल्कि संस्थापक परमात्मा शिव, माध्यम प्रजापिता ब्रह्मा बाबा का जन्म परमात्म अवतरण पर हुआ इसके साथ ही पूरे ब्राह्मण परिवार का भी जन्म हुआ। अर्थात 12 लाख लोगों का भी जन्मदिन है। पूरे अस्सी वर्ष से जीवन से बुराईयों को त्यागने और अच्छाईयों को धारण करने के प्रयास किये जा रहे हैं।

समाज के सभी वर्गों की बेहतरी के प्रयास

समाज के सभी वर्गों में अच्छे मूल्यों और अच्छे व बेहतरीन संस्कारों को पोषित करने के लिए ब्रह्माकुमारी संस्थान के राजयोग शिक्षा एवं शोध प्रतिष्ठान ने 21 प्रभागों, प्रशासक, शिक्षा, राजनीतिज्ञ, मीडिया, मेडिकल, युवा, ग्रामीण विकास, महिला, आईटी, वैज्ञानिक, सुरक्षा, धार्मिक, समाज सेवा, व्यापार एवं उद्योग, कला एवं संस्कृति, न्यायविद, खेलकूद, स्पार्क, यातायात एवं परिवहन, शिपिंग एविएशन का गठन किया है।

अन्तर्राष्ट्रीय शांति दूत पुरस्कार

ब्रह्माकुमारीज एक गैर सरकारी आध्यात्मिक शैक्षणिक संस्थान है। पूरे विश्व में मानवीय सेवाओं के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय शांति दूत के पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। इसके साथ ही और भी 6 मेडल का सम्मान प्राप्त हो चुका है। जनसरोकारी गतिविधियों के कारण संयुक्त राष्ट्र संघ के जनसूचना विभाग में गैर सरकारी संस्था के रूप में मान्यता प्राप्त है। यूनिसेफ एवं आर्थिक सामाजिक परिषद में भी सलाहाकर सदस्य है।

आध्यात्मिक आंदोलन

ब्रह्माकुमारीज संस्थान धार्मिक नहीं बल्कि आध्यात्मिक संस्थान है। जो आध्यात्मिकता एवं राजयोग के जरिये मनुष्य के आंतरिक शक्ति को जागृत करने के लिए प्रेरित करता है। राजयोग ध्यान यहाँ की प्रमुख शिक्षा है जिससे ही व्यक्ति के अन्दर सकारात्मक बदलाव आता है। धर्म के नाम पर तमाम तरह की घटनाएं सुनने एवं जानने को मिलती है परन्तु आध्यात्मिकता इन सब चीजों से उपर ले जाती है।

संस्था की स्थापना कब हुई?

यह द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद पूरे विश्व अशान्ति और दु:ख के माहौल से गुजर रहा था। चारो ओर पीड़ित आत्मओं की पुकार से माहौल करूणामय हो गया था। ऐसे समय में स्वयं परमात्मा शिव ने नई सृष्टि की स्थापना का संकल्प साकार करने हेतु अविभाजित भारत के सिंध हैदराबाद से प्रजापिता ब्रह्मा बाबा के माध्यम से 1937 मे इसकी शुरूआत का नींव रखा।

यहां मन को मिलती है शांति

विश्व कल्याण का कोई दूसरा रास्ता नहीं- माउंण्ट आबू के पवित्र, शुद्ध वातावरण का लाभ उठाने का अवसर मिला। इसके लिये अपने को भाग्यवान समझती हूँ। ब्रह्मा बाबा, शिव बाबा की प्रेरणा से जो कार्य किया जा रहा है वह बेमिसाल है। मुझे ऐसा लगता है कि दुनिया में और कोई ऐसी संस्था नहीं है जो यह कार्य कर पाएगी। विश्व कल्याण का दूसरा कोई रास्ता नहीं है। मूल्य एंव आध्यात्मिकता की यह शिक्षा आज युवा पीढ़ी तक पहुंचाने की जरूरत है। इस संस्था ने भारतीय संस्कृति एवं आध्यात्मिकता को विश्व पटल पर पहुँचाया है जो हमारे लिये गौरव की बात है। मेरी शुभकामना है कि संस्था अपने उद्देश्य में सफल हो और निरंतर आगे बढ़ें।

- श्रीमति प्रतिभा पाटिल, पूर्व राष्ट्रपति, भारत

देश व समाज का निर्माण करने के लिए नैतिक मूल्य वाली प्रतिभाओं की बहुत जरूरत है। यदि हम एक अच्छी शिक्षा व्यवस्था, मेडिटेशन और मूल्य विकसित करें तो हमें अच्छे लोगों को बनाना होगा। जो दूसरों को प्रेरित कर सकें। ब्रह्माकुमारीज संस्थान की बहनों ने पूरे विश्व में लोगों को भारतीय संस्कृति और मूल्यों का पाठ पढ़ाया है। इससे काफी लोगों का जीवन बदला है। आज के समय के लिए जरूरी है कि बच्चों, युवाओं में मूल्यों के प्रोत्साहन के लिए ऐसे प्रयास किये जाये जिससे वे संस्कारवान बनें। यही समय की मांग है। योग इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। अब तो भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में योग के प्रति लोगों का रूझान बढ़ा है।

- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री, भारत

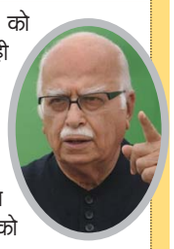

नैतिक मूल्यों को पुनर्स्थापित कर रही संस्था- आज समाज में जब नैतिक हनन, भौतिकवादी सोच के कारण तेजी से चरित्र गिर रहा है। ऐसे में ब्रह्माकुमारीज संस्था पूरे विश्व में नैतिक मूल्यों को पुनःस्थापित करने का जो महान कार्य कर रही है वह सराहनीय है। भारत की अमूल्य धरोहर अध्यात्म के खजाने और स्वस्थ जीवन प्रणाली को प्रोत्साहित करने का कार्य प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज संस्था कर रही है। संस्था ने विश्व स्तर पर भारतीय अध्यात्म का संदेश दिया है। आध्यात्मिकता से अनेकों का जीवन बदला है। ऐसे प्रयासों से ही स्वर्णिम दुनिया आएगी।

- लालकृष्ण आडवाणी, वरिष्ठ भाजपा नेता, दिल्ली

राजयोग मेडिटेशन, ध्यान और आध्यात्मिक ज्ञान मनुष्य को परिपूर्ण करने वाला है। योग और राजयोग से मनुष्य के जीवन में सहज ही शक्ति आती है और सकारात्मक बदलाव प्रारम्भ हो जाता है। युवाओं में खासकर इसकी बहुत आवश्यकता है ताकि उनके अन्दर एक ऐसा संस्कार पैदा हो जो मानवीय पहलुओं को जोड़ सके। यह राजयोग और भारतीय संस्कृति द्वारा मूल्यों के पुनर्स्थापना से ही सम्भव होगा। ब्रह्माकुमारीज संस्थान की बहनें पूरे विश्व भर में नैतिक मूल्यों का पाठ पढ़ाकर लोगों का जीवन श्रेष्ठ बना रही है निश्चित तौर पर एक दिन जरूर सफलता मिलेगी ऐसा मेरा विश्वास है। दिल्ली के लोगों के लिए इस ज्ञान की बहुत जरूरत है।

-मनीष सिसोदिया, उप मुख्यमंत्री, दिल्ली सरकार

शांति गई तो सब चला गया- ओम शांति शब्द मैंने पहली बार उच्चारण किया और सुना तो बहुत अच्छा लगा। ओम् में सारे विश्व का सार समाया हुआ है। पूरे विश्व में शांति के मिशन को यह ब्रह्माकुमारी संस्था फैला रही है। संस्था के भाई- बहन निश्छल, निःस्वार्थ भाव से दिन-रात सेवा में लगे हुये है। आप परिवार को देखिये, दुनिया को देखिये, अगर शांति है तो सबकुछ है और शांति छुट गई तो सबकुछ चला गया। मेरी शुभकामना आपके साथ है कि आपको सफलता मिलती रहे और शांति के लक्ष्य को दुनिया में फैलाये। मेरी यही कामना है कि संस्था के भाई-बहन जिस समर्पित भाव से लगे हुये है उन्हें अपने लक्ष्य की प्राप्ति हो।

- हरीश रावत, मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

संपादकीय

बीके करूणा

खुद को बदलने का करें प्रयास

सामाजिक समरसता की पहली सीढ़ी है खुद का बदलाव। पूरे समाज का ताना बाना आपसी प्रेम, सौहार्द और मूल्यों की पराकाष्ठा से है। हमारा देश इन्हीं वजहों से पूरे विश्व में जाना जाता है। जब हम अपने लिए घर ढूंढ़ते है, कार्य स्थल पर जाते है तो यही सोचते है कि हमारे आस पास के लोग अच्छे रहे, वातावरण अच्छा हो। हमारे परिवार के लोगों के लिए भी सुरक्षित जगह हो। यह वातावरण और माहौल हमसे और आपसे बनता है। परन्तु हमें यह गहराई से सोचना चाहिए कि जिस चीज की तलाश अपने लिए हर स्थानों पर कर रहे हैं क्या वही चीज हम दूसरों को दे पाते हैं। जब हम ऐसा सोचने लगेंगे तो हर एक माहौल इन्हीं सन्दर्भो में बदलना प्रारम्भ हो जायेगा। क्योंकि व्यक्तियों के सामूहिक सोच, विचार, व्यवहार से ही सामाजिक ताना बाना और माहौल का निर्माण होता है। तो क्यों ना हम खुद से ही इसकी पहल करना प्रारम्भ कर दें। ताकि हमारे इर्द गिर्द जो भी आये उसे इस वातावरण की सहज महसूसता हो। जो अपेक्षा हम दूसरों से करते है उसकी शुरूआत हमें सबसे पहले अपने से ही करनी चाहिए। हमारा यह प्रयास दूसरों को सुकुन तो देगा ही साथ ही वह रिटर्न में खुद के पास भी कई गुणा होकर लौटेगा। ताज्जुब तो यही कि हम अपने लिए तो अच्छा चीजे ढूंढ़ते है परन्तु जब देने की बारी आती है तो उस वक्त हमारा व्यवहार बदल जाता है। जब हमारा व्यवहार दूसरों के प्रति बदल जाता है तो हमारे लिए वह कैसे मिलेगा। यह प्रयास सामाजिक समरसता की पहली सीढ़ी है। इससे ही हम सदभावना की मंजिल प्राप्त कर सकते हैं। क्योंकि जीवन में हर कार्य की पहली सीढ़ी उसकी प्रारम्भिक स्थिति ही होती है। इसलिए यदि समाज में सामाजिक सदभाव और सुकुन लाना है तो उसके लिए यह प्रयास करना हमारे जीवन का मूल लक्ष्य होना चाहिए।

यहां है नारी को दुर्गा और लक्ष्मी बनाने की पाठशाला

मेरी कलम से

सुमन मंजरी

यह आलेख हरियाणा की पुलिस महानिरीक्षक सुमन मंजरी से बातचीत पर आधारित है।

पुलिस विभाग में होने के नाते हमेशा ही दिमाग खोजी रहता है। पहली बार जब मैंने देखा कि इस संस्थान की प्रमुख राजयोगिनी दादी सौ वर्ष की है तो लगा जैसे बुजुर्ग सौ वर्ष की उम्र में चारपायी पर ही पड़े रहते है ऐसे ही होगीं। परन्तु एक दिन सुबह सुबह देखा तो इण्डिया गेट पर दादी बोल रही थी। बड़ा आश्चर्य हुआ। सौ वर्ष की उम्र है तो भी इतना सुबह सुबह दादी इंडिया गेट पर भाषण कर रही थी। मुझे भी दादी के एक कार्यक्रम में भाग लेने का निमंत्रण मिला था। दस बजे जाना था परन्तु सोचा कि 12 तो बज ही जायेंगे। कार्यक्रम में आकर देखती हूँ तो दादी मेरे से पहले ही उपस्थित है। फिर मैं जब अन्दर गयी मुझे लगा कि किसी कमरे मे दादी रेस्ट कर रही होगी। जिसकी इतनी आयु हो वह इतना सफर करके आ जाये और उसके बाद आराम न करे ऐसा नहीं हो सकता, लेकिन उन्हें आराम की जरूरत नहीं पड़ी। फिर भी इनवेस्टीगेशन पर दिमाग चलता रहा कि चलो उम्र तो सौ वर्ष देखी है। सौ वर्ष की आयु वाला व्यक्ति मन से संतुलित नहीं हो सकता। भाषण कैसे बोलेगी? मुझे लगा सिर्फ दृष्टि दे जायेगी और वह भाषण हो जायेगा, लेकिन जब मैंने इनको सुना और सुनने के बाद जो इनके मन का संतुलन था वह एक इंसान की शक्ति वाला नहीं था। आज मुझे विश्वास नहीं, दृढ़ निश्चय हो गया है कि धरती पर भगवान आ चुके है।

जहां हम मानते हैं कि इसी जगह सोनीपत में श्रवण कुमार ने भी अपने माँ-बाप से यहां किराया मांग लिया था। तभी ग्रहण से मुक्त होगी जब जानकी दादी जैसी शक्ति हमारे बीच में जाए। अब मैं ब्रह्माकुमारीज से जुड़ी हूँ। बतौर एसपी जब मेरी पोस्टिंग पानीपत में तब एक संस्था जिसमें महिलायें ही थी, उनके साथ कुछ घटना घट गयी। उसी समय मैंने देखा कि और ऐसी जगह कौन सी है जहाँ महिलायें ही रहती हो। पता लगा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था में भी महिलायें ही रहती है। मैंने अपनी टीम से पूछा कि इनका कोई गुरू है क्या? तब टीम ने बताया कि इनकी कोई गुरूप्रणाली नहीं है, ये तो केवल उस एक ईश्वर को ही अपना सबकुछ मानती है। मैंने खुद भी जाकर देखा तो बहुत कम उम्र की कन्यायें और बहनें यहाँ रहती थी मैंने सोचा कि इनके साथ भी कभी भी कुछ भी हो सकता है और मुझे मुश्किल हो जायेगी। जब ये बात उन बहनों से की तो उन्होंने कहा कि हमें कोई डर नहीं है। हम निर्भय है बाबा है हमारे साथ। मुझे कुछ समझ नहीं आया तो अपने सी आई इन्सपेक्टर को भेजा कि यह बाबा कौन जरा देख के आओ, कितनी उम्र का है। तो उन्होंने भी मुझे यही कहा कि ये परमात्मा में विश्वास रखती है और इनकी मनोस्थिति बहुत मजबूत है। मुझे चैन नहीं आया तो मैने बहनों को बुलाया। धीरे-धीरे फिर मेरा विचार बदला। फिर एक बार बहनों ने राखी बांधकर एक बुराई मांगी। अजीब लगा। मैं खुद से पूछ रही थी, भला एक एसपी में क्या बुराई हो सकती है। इन्होनें समझाया काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार मे से एक दे दो। मुझे लगा अहंकार छोटी चीज है इसे ले जाओ। अंहकार भेंट किया तो रोब भी चला गया। रोब गया तो किसी को डांट नहीं पा रही थी, कुछ भी हो नहीं रहा। मैं शाम को अहंकार वापस लान गयी। मैं मेडीटेशन रूम में बैठी तब एक बहन ने कहा कि साइड में म्यूजियम है, प्रदर्शनी दिखाते हैं। वह मुझे एक फोटो के पास ले गई व कहने लगी, आपको इन लक्ष्मी-नारायण जैसा बनना है। मैंने कहा, मैं तो समाज में लक्ष्मी की जगह हर एक को दुर्गा बनाने की कोशिश कर रही हूँ। कुछ समय बाद बैठे-बैठे ध्यान आया कि दिवाली पर लक्ष्मी आती है। लक्ष्मी के पास धन है। मैं करन्सी वाला धन सोच रही थी लेकिन यहां पता लगा कि धन तो गुणों का, ज्ञान का है। हरियाणा की धरती पर भ्रूण हत्या कर दी जाती है। ऐसे स्थान पर नारी जाति की इस शक्ति का आह्वान जरूर होना चाहिए। जब मैंने इनको सुना, तो हैरानी हुई कि पढ़ा- लिखा भी ऐसी बातें नहीं कर सकता। इनके अन्दर से परमपिता परमात्मा की शक्ति बोल रही थी। परमात्मा इस धरती पर आ चुके मैंने आज पहचाना है। मैं पुनः इस मिट्टी का, इस मिशन का धन्यवाद करती हूँ और यह राजयोग का कोर्स भी जल्द ही पूरा कर राजयोग सीखना चाहती हूँ।

ज्ञान की चाबी है जानकी

कुरूक्षेत्र ऐसी धरती है जहाँ पर अर्जुन को श्रीकृष्ण ने उपदेश दिया था, लेकिन यह परम सत्य है, कि वह श्रीकृष्ण की नहीं अपितु परमपिता परमात्मा की गीता थी। अतः उसी धरती पर परमपिता परमात्मा की बच्ची अवतार रूप में हमारे सामने आयी। तो मेरा सारा दिमाग परिवर्तन हो गया। मैने एक-एक चीज को जाना। दादी ने अपने नाम के अनुरूप सफल बना दिया ज्ञान की की माना जानकी। जान शब्द नहीं है ये ज्ञान शब्द है। ज्ञान की चाबी इनके पास है। जब मैं यहां आयी तो ज्ञान की चाबी से ताला खुल गया और निश्चय किया कि, मैं भी यह शिक्षा जरूर लूंगी। पुलिस में होने के कारण हमारी हर चीज पूरी छानबीन के साथ चलती है और इन्वेस्टिगेशन में जब तक सच्चाई न आ जाये तो विश्वास नहीं होता है।

मैंन पूछा-कौन है बाबा?

मैने बहनों से कहा, क्या बात है यह कौन बाबा है, कैसे आप अपनी सुरक्षा करते हो और अकेले रहते हो? तब मुझे इसके बारे मे बताया, मुझे अच्छा लगा। अच्छा इसलिए लगा कि कम से कम जो लोग मेरे इलाके के वहाँ जाते है। वह बदमाश तो नही बनेंगे, चोरी तो नहीं करेगें, जेब तो नहीं काटेंगे। पुलिस का काम हल्का कर रही है। जो लोग वहाँ जाते है, वह तो सही होंगे।

जीवन प्रबंधन

नित्यप्रति कर रहीं ज्ञान का बीजारोपण

87वर्ष की उम्र में आज भी मुझे लगता ही नहीं कि मैं इतनी उम्र की हो गयी हूँ। प्रतिदिन ईश्वर से शक्ति और आनन्द मिलता है। पूरी जीवन ही बाबा ने संवार दी। संस्था के प्रारम्भ से ही सौभाग्य मिला सेवा करने का। मुझे खुशी है कि सम्पूर्ण जीवन मानवमात्र की सेवा में गुजर गया। परमात्मा आया है सभी को चाहिए कि वे परमात्मा से शक्ति लेकर खुद को श्रेष्ठ बना लें।

- **राजयोगिनी** रतनमोहिनी दादी , संयुक्त मुख्य प्रशासिका ब्रह्माकुमारीज, माउण्ट आबू।

सर्वांगीण स्वास्थ्य के भागीरथ प्रयास

युवावस्था से ही संस्थान में जीवन समर्पित करने का संकल्प रहा। आज मैं शुक्रगुजार हूँ उस परमात्मा का जिन्होंने हमें अपना समझ अपने कार्य में लगा लिया अन्यथा अपने में ही जीवन सिमट कर रह जाता। लोगों की सेवा करना, गरीबों को चिकित्सा मुहैय्या करना जीवन का मकसद बन गया जो आज तक परमात्मा के साथ कर रहा हूँ।

- **राजयोगी** ब्रह्माकुमार निर्वैर, महासचिव, ब्रह्मा कुमारीज, माउंट आबू

पेशे में हो पवित्रता

लौकिक और अलौकिक का बेहतरीन सामंजस्य स्थापित करने की कला और पवित्र धन कमाने की व्यवस्था में विशेषज्ञता परमात्म ने हासिल करायी है। आजकल लोग अलग अलग तरीकों से धन कमाते हैं। परन्तु यदि इसमें परमात्मा की याद और निमित्तपन का भाव हो तो उसमें संतोष और समृद्धि दोनो में वृद्धि होगी।

- **राजयोगी, ब्रह्माकुमार रमेश,** अतिरिक्त महासचिव,, ब्रह्माकुमारीज,माउंट आबू

सेवा जीवन का मकसद

सम्पूर्ण जीवन ईश्वरीय सेवा में अर्पण करने के बाद कुछ भी नहीं बचता। हम भाग्यशाली है कि हमारा पूरा जीवन परमात्मा की सेवा में लगा। मैं धन्य हूँ। अस्सी वर्ष कैसे बीत गये संस्थान के पता ही नहीं पड़ता। यह सोचकर सुकुन लगता है कि पूरा का पूरा जीवन मानवता की सेवा में लग गया। निश्चित तौर पर लोग एक दिन जरूर परमात्मा को पहचानेंगे।

- **राजयोगी ब्रह्माकुमार बृजमोहन,** अतिरिक्त महासचिव, ब्रह्माकुमारीज, दिल्ली

दुआएं खोलती हैं, स्वयं के साथ दूसरों का भी ध्यान रखना सीखें

हमारा कार्य-व्यवहार सिर्फ हमें ही प्रभावित नहीं करता है बल्कि इसका प्रभाव दूसरों पर भी होता है। हो सकता है कि हम अपने व्यवहार से संतुष्ट हो लेकिन दूसरों पर इसका क्या प्रभाव पड़ा उससे हम अंजान ही रहते हैं। और यही चीजें हमें जीवन में आगे बढ़ने से रोक देती है। यदि हम जीवन में सफल होना चाहते हैं तो हमें स्वयं के साथ दूसरों का भी ध्यान रखना सीखना होगा। यही वो कला है जो हमें सफलता के द्वार तक ले जाती है और सर्व का प्रिय बनाती है। इस जीवन में हम जो कुछ भी करते हैं उसका प्रभाव न सिर्फ हमारे वर्तमान पर पड़ता है बल्कि इसका प्रभाव हमारे कई जन्मों तक भी देखने में आता है। इतना ही नहीं इसका प्रभाव हमारी आने वाली पीढ़ी पर भी पड़ता है। इसलिए हम जो कुछ भी करें उसके दूरगामी परिणाम के बारे में अच्छी तरह से सोच-समझकर ही करें। जल्दबाजी में लिया गया निर्णय सिर्फ हमारे स्वार्थ की पूर्ति करता है। उससे हमें तात्कालिक लाभ तो मिल जाता है लेकिन उसके दुष्परिणाम से हम अंजान ही रहते हैं। इसका पता हमें तब लगता है जब हमारा कोई बहुत बड़ा नुकसान हो चुका होता है।

- **बीके शिवानी,** जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ, गुड़गांव

परमात्मा की छत्रछाया में सेफ महसूस करती हूं

शख्सियत

पोलैण्ड की अनेटा लॉज सोलर प्रोजेक्ट में सेवाएं दे रहीं हैं।

पोलैण्ड में पली बढ़ी तथा पश्चिमी देशों की रंग में रंगी अनेटा लॉज जीवन किसी अजूबे से कम नहीं है। पैसे की खोज और साथ में शांति की तलाश ने उन्हें भारत लाने पर मजबूर किया और वे आज देश का पहला सौर उर्जा से बिजली बनने वाली प्रोजेक्ट में कार्य कर उर्जा संरक्षण के साथ मूल्यों का संदेश दे रही हैं। यह कहानी किसी और की नहीं बल्कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान के राजयोग शिक्षा एवं शोध प्रतिष्ठान तथा आबू रोड के शांतिवन के समीप कई एकड़ में बनने वाले इस प्रोजेक्ट में सहायक पर्यावरण विद के रूप में अपना योगदान दे रही अनेटा लॉज की हैं। उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं को जानने की कोशिश की शिवआमंत्रण के संवाददाता अनंत संभाजी ने। अनेटा लॉज का जन्म हालैण्ड के एक साधारण परिवार में हुआ। उनकी पढ़ाई लिखाई हालैण्ड में ही हुई। इसके बाद वे हॉलैण्ड की फिलिप्स कंपनी मे मार्केटिंग डायरेक्टर पर नियुक्त हो गयी। मार्केटिंग डायरेक्टर होने के कारण जीवन में कभी पैसों की कमी नहीं आयी। पूरा जीवन ऐशो आराम में थी। नौकरी के दौरान उन्हें कंपनी का ईस्टर्न यूरोप का कारोबार संभालने के लिए हॉगकॉंग जाना पड़ा। नौकरी की वजह से उन्हें इधर-उधर जाने में बहुत मजा था, कभी निराशा और उदासी नहीं थी। क्योंकि अलग-अलग लोगों से मिलना, वहां की संस्कृति देखना, रहन-सहन आदि बातो में मुझे बहुत रूचि थी। जिंदगी में बहुत खुश थी इसके बावजूद अंदर से मन पूरा संतुष्ट नहीं था।

उर्जा संरक्षण के लिए करना गौरव

इसके बाद मैं ब्रह्माकुमारीज संस्थान के अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय माऊंट आबू आ गयी। यहां ब्रह्माकुमारीज के इंडिया वन सोलार प्रोजेक्ट के बारे में सुनने के बाद लगा कि यह मेरे जीवन के लिए सेवा देने का सुनहरा मौका है। बाहरी दुनिया में इस क्षेत्र में मेरा बहुत अच्छा अनुभव था। यह प्रोजेक्ट पर्यावरण के लिए हितकारी है और यहां सेवा देने के साथ साथ मेरी मानवता की आध्यात्मिक सेवा भी होने वाली थी। इसके लिए संस्थान के वरिष्ठ सदस्यों से बात की तथा इस सेवा में लग गयी।

घर जैसा लगता है संस्थान

भारत में और दुनिया में बाहर का माहौल कैसा है यह मुझे पता है परन्तु ब्रह्माकुमारीज संस्थान में मुझे घर जैसा महसूस होने लगा। यहाँ भगवान की छत्रछाया है और मै सेफ हूँ। यहाँ का वातावरण लोगों का व्यवहार घर से भी अच्छा लगने लगा। मेरा पूरा समय अच्छी तरह से भगवान की सेवा में गुजर रहा है और यह मेरे भाग्य की बात है। सोलार वन यह बहुत ही खास प्रोजेक्ट है, वह देखने के लिए बहुत लोग आते है। सोलार प्रोजेक्ट के बारे मे लोगों को शिक्षा देने के लिए यहां एक ट्रेनिंग सेंटर खोला गया है जिसे डेढ़ वर्ष हो गये जहाँ से लोगों को इसके बारे में जागृत किया जा रहा है। भारत सरकार का अक्षय उर्जा मंत्रालय, जर्मन सरकार तथा ब्रह्माकुमारीज संस्था के राजयोग एज्युकेशन एवं शोध संस्थान तीनों इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में सहयोग कर रहे हैं। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी ऐसे प्रोजेक्ट के लिए हमेशा प्रोत्साहित करते हैं। इस प्रोजेक्ट से प्रतिदिन दो हजार किलोवाट बिजली पैदा होगी। भारत में सौर किरणों प्रचुर मात्रा होने के कारण बिजली उत्पादन के लिए बेहतर विकल्प है। इससे जहाँ पर्यावरण की रक्षा करने में सहायता मिलेगी वहीं बिजली पर प्रतिदिन खर्च होने वाले व्यय से भी निजात मिलेगी।

राजयोग ने सीखाया तनावमुक्त जीवन जीने की कला

नौकरी के दौरान जब मैं हॉगकांग में थी तभी मेरी मुलाकात एक ब्रह्माकुमारी बहन से हुई। उसने मुझे राजयोग ध्यान के बारे में विस्तार से परिचय कराया। इसके बाद उसमें पूरा स्पष्ट हो गया कि राजयोग से ही तनावमुक्त जीवन जीया जा सकता है। सबसे बड़ी पहेली का उत्तर मिल गया कि आखिर मैं कौन हूँ, कहाँ से आया हूँ। यह एक ऐसा सवाल था जिससे मैं वर्षो से ढूंढ़ रही थी। इसके बाद में मेरे मन में संतुष्टता आने लगी और मन स्थिर हो गया। इस ज्ञान के बाद मेरे अंदर साहस आ गया और शक्ति प्राप्त हुई। यह ज्ञान प्राप्त होने के बाद मै अमेरिका, जपान, हॉगकांग, चीन आदि देशों का सफर और बड़ी नौकरी के लिए करती रही। राजयोग का ज्ञान साथ मे था ही, वह इस सफर में बहुत काम आया।

ईश्वर के याद में डूबना अच्छा अनुभव

जब भी मै फ्री रहती थी राजयोग के अनुभव मे खो जाती थी। लेकिन जितना चाहिए उतना मजा नही आता था। राजयोग और नौकरी दोनों का समन्वय करना मुश्किल हो रहा था। मुझे तो मानवता की सेवा करनी थी और राजयोग में उस सेवा का घर बैठे बहुत मार्जिन था। नौकरी में पैसा बहुत मिलता था परन्तु मानवता की सेवा के लिए मैने नौकरी का इस्तीफा दे दिया। नौकरी छोड़े छ वर्ष हो गये। पौलैण्ड वापिस गई और ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र पर ईश्वरीय सेवा में व्यस्त हो गई। मेरे मन को जो अच्छा लगता था वह मै करती थी। नौकरी छोड़ के आध्यात्मिक सेवा मे लग जाने का यह सही वक्त था।

मील का पत्थर साबित हो रहा गॉडलीवुड स्टूडियो

परमात्मा का संदेश देने के उद्देश्य से बनी गॉडलीवुड स्टूडियो ने चार वर्ष पूर्ण कर लिये हैं। प्रारम्भ से ही लक्ष्य और कंटेट को स्वस्थता को लेकर सजग हमेशा नये-नये आयाम तय करते रहें। आज यह कहते हुए खुशी हो रही है कि स्टूडियो में बहुभाषाओं का प्रोडक्शन लगभग देश के कोने कोने में पहुंचने लगा है। नेशनल के साथ स्थानीय चैनलों जिन चैनलों में स्टूडियो का कंटेट गया सबने खुले दिल से सराहना की और लगातार वे लोगों तक पहुंचाने में निःस्वार्थ रूप से मदद कर रहे हैं। यह परमात्मा का ही कमाल है कि ऐसे अर्थवादी युग में आध्यात्मिकता और जीवन में मूल्यों के प्रोत्साहन के लिए बनायी गयी सामग्री को चारो ओर से सहयोग प्राप्त हो रहा है। सकारात्मक खबरें, जीवन प्रबन्धन, मन प्रबन्धन, स्वास्थ्य, शिक्षा, युवा, महिला, किसान से लेकर लगभग सभी वर्गों के लोगों के लिए हमेशा सबकुछ उपलब्ध कराने का स्टूडियो का प्रयास रंग ला रहा है। इसमें प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष जो भी लोग शामिल है उन्हें दिल से धन्यवाद ज्ञापित करते हैं। उसके साथ ही उन लोगों का भी आभार है जो शामिल ना होते हुए भी अपनी शुभकामनाओं का आशीष दे रहे हैं। सौ से भी ज्यादा लोगों की टीम दिन रात कार्यरत है। समय बदल रहा है और लगातार मूल्यों का समाज से लुप्त होना चिंताजनक ही नहीं बल्कि खतरनाक भी है। ऐसे में ईश्वर प्रदत्त गॉडलीवुड स्टूडियो निश्चित तौर पर आने वाले समय में लाईट हाउस का कार्य करेगा। मुझे कहते हुए गर्व हो रहा है कि अब तो हम भारत देश की सीमा से बाहर अन्य मुल्कों में भी अपनी जड़े फैला चुके हैं। सभी का आभार।

-बीके हरीलाल, कार्यकारी निदेशक, गॉडलीवुड स्टूडियो

मेडिटेशन से दूर करें मन में नकारात्मकता की मात्रा

माइंड पावर

लेखक बीके शक्ति वर्ल्ड रिकार्ड होल्डर, माइंड, मेमोरी स्पिरिचुअल ट्रेनर व मोटिवेशनल स्पीकर हैं।

पिछले लेख में हमने पढ़ा था कि हम अपने मन में इतनी अपरम्पार शक्ति है कि हम पूरे विश्व को जीत सकते हैं। इसी प्रकार से हमने कभी भी अपने मन को विधिपूर्वक प्रेम और सरलता से नहीं बताया कि उसे क्या करना है और क्या नहीं करना है। हम जो सोचते हैं उसका प्रभाव शरीर पर पड़ता है।

इस लेख को पड़ने के बाद आप भी अनुभव कर सकते है आप आंखों को बंद कर कल्पना करें कि आप आपके घर में रसोईघर में खडे है और आपने आपके हाथ में एक नींबू लिया अब उस नींबू को काटे और काटने के बाद उसके रस को जीभ पर निचोड़े और अब अनुभव करें कि नीबू के खथे रस में आपकी जीभ में पानी आ रहा है धीरे-धीरे पूरे जीभ में लार आ रही है, निश्चित तौर पर आप अनुभव कर सकेंगे आपकी जीभ पानी से भर चुकी है, यह प्रमाण है मन और शरीर के बीच संबंध का।

एक और सत्य घटना हमें याद आ रही है, अफ्रीका देश में जब आदिवासीयों का पेड़ो का कोई हिस्सा साफ करना होता है तो वे पेड़ों को काटते नहीं महज पेड़ो के पास जाते है और जी भरकर गालियाँ देते नकारात्मक शब्द का उपयोग करते है, देखते ही देखते कुछ ही दिनों में पेड़ अपने आप सूख जाते है और गिर जाते है, उस सत्य घटना से आप समझ सकते है, नकारात्मक सोच कितना जबरदस्त प्रभाव होता है जबकि वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित हो चुका है कि एक सकारात्मक संकल्प हजारों नकारात्मक संकल्पों से ज्यादा शक्तिशाली और प्रभावशाली होता है वैज्ञानिक रूप यह सिद्व हो चुका है कि मन में एक दिन में 60,000 विचार आते है, जिसमें से 85त्न संकल्प या तो व्यर्थ और नकारात्मक होते हैं, सिर्फ 15त्न संकल्प हमारे काम के होते है, हमें मैडिटेशन द्वारा नकारात्मकता के प्रतिशत को कम कर सकारात्मकता की प्रतिशत को बढ़ाना है तभी हम सुपर मानव बन सकते है, यह एक खबरों डॉलर का प्रश्न है? आज हम अपनी गाड़ी को तो पेट्रोल-डीजल के द्वारा चार्ज करते हैं। मोबाइल को बिजली से चार्ज करते हैं। शरीर को भी भोजन से चार्ज करते हैं। इन सभी स्थूल चीजों का पूरा ध्यान रखते हैं परंतु जो सबसे मूल्यवान सूक्ष्म शक्ति मन हैं उसको चार्ज नहीं करते हैं। कई लोग कहते हैं कि हमारा मन चार्ज हो जाता हैं किंतु ये देखा गया हैं की लोग लंबे समय तक नींद लेने के बाद भी थके रहते है क्योंकि आधे ज्यादा समय तो मन सपनें देखते रहता हैं। सोने से हमारा शरीर तो रिलैक्स हो जाता हैं फिर भी मन चार्ज नहीं होता हैं। तो अब सवाल है की कौन सी चीजे विधि हैं जिससे की मन चार्ज हो? वह है मेडिटेशन दज्ञान-युक्त-ध्यानड्ड। यह छठा "6th M" हैं जिसकी मदद से हम अपने मन और मस्तिष्क दोनों को चार्ज कर सकते हैं। एक कहानी से समझते है इस "6th M" को-जिसमे एक बार व्यापारी और लकड़हारे की मुलाकात होती हैं जिसमे व्यापारी लकड़हारे को लकड़ी काटने की आज्ञा देता है। लकड़हारा जंगल में लकड़ी काटना शुरू कर देता हैं। पहले दिन भरपूर जोश के साथ वह एक घंटे में 50 लकड़ियाँ काटता है, दूसरे दिन 10 घंटे में सिर्फ 10 लकड़ियाँ काट पाता है, तीसरे दिन वह 15 घंटे मेहनत करने के बावजूद सिर्फ 5 लकड़ियाँ ही काट पाता है। चौथे दिन तो अपनी पूरी शक्ति 24 घंटे लगाने के बाद भी वह एक भी लकड़ी नहीं काट पाता। पहले दिन की तुलना में 10 गुना मेहनत ज्यादा करता है फिर भी पर्याप्त परिणाम नहीं निकलते हैं। इसका क्या परिणाम हो सकते है? निराश होकर लकड़हारा व्यापारी के पास जाता हैं और अपने मन की व्यथा को व्यापारी के समक्ष रखता हैं। व्यापारी उससे पूछता हैं की उसने कुल्हाड़ी की धार लगाई तो लकड़हारा उत्तर देते हुए मेडिटेशन करने से धार में तेजी आयेगी औरआप सही तरीके क काम कर लेंगे।

प्रबंधन विशेषज्ञों की राय

भविष्य के लिए योजना का निर्माण करते समय सही मानसिक स्थिति होनी चाहिए व्यक्ति की

स्व-प्रबन्धन : प्रबन्धन और नेतृत्व कला की योजना का मॉडल

विभिन्न संस्थानों में सबसे बड़ी चुनौती -परिवर्तन की प्रक्रिया- व्यक्ति के जीवन में परिवर्तन के पुनर्निर्माण की योजना का तरीका ठीक वैसा ही है जैसा बड़े संस्थानों में पुनर्निर्माण और पुनर्गठन करने के लिए योजना-प्रतिमानों का पलानिग मांडल अपनाया जाता है क्योकि- व्यक्ति का नियोजन ही संस्थान का होता है। व्यक्ति तथा संस्थान में एकरूपता का सम्बन्ध स्थापित करके सफलता को प्राप्त किया जा सकता है। किसी संस्थान के योजना प्रतिमान की तुलना एक कम्पास अथवा सड़क -मानचित्र के साथ की जा सकती है क्योकि इसके माध्यम से लोगों को अपनी संकल्पना साकार करने का दिशा-निर्देश मिलता है। इसी तरह स्व प्रबन्धन भी व्यक्ति के बिकास के लिए एक व्यक्तिगत योजना मांड़ल प्रदान करता है। यह ठीक संस्थागत योजना मांड़ल की तरह होता है। जिसके अनुरूप ही व्यक्ति स्पष्ट दृष्टि का बिकास तथा स्वयं को पुनर्गठित करने के लिए प्रयास करता है। किसी संस्थान की दिशा निर्धारण संस्थागत स्वाँट के बिश्लेषण से प्राप्त तथ्यों पर आधारित होती है इसी के माध्यम से भविष्य में मिलने वाले अवसरों से लाभान्वित

हो सकता है।

भीतर के विश्लेषण के आधार पर उनके उद्धेश्य एवं संकल्पना को विसोन सतामेन्ट फिर से परिभाषित करने में मदद मिलती है उन संकल्पनावों को प्राप्त करने मे मूल्य, ऊर्जा का काम करते है।

इसके साथ ही इस बात का ध्यान रखना भी आवश्यक है कि परिणाम उपलब्ध कराने के मार्ग में आने वाली रूकावटों को अनदेखा नही किया जा सकता है इसलिए अपनी संकल्पना को साकार करने के लिए बहुत सावधान रहना होगा। इसके लिए अपनाई गई नीति मूल्यों के अनुकूल होनी चाहिए।

उपर्युक्त योजना-मॉड़ल के अनुरूप ही स्व प्रबन्धन के लिए व्यक्तिगत योजना माँड़ल,स्व -उन्नति तथा संतुष्ट और अर्थपूर्ण जीवन जीने की राह दिखाता है। लेकिन भविष्य के लिए योजना का निर्माण करते समय व्यक्ति की सही मानसिक स्थिति होनी चाहिए तथा स्व की पूर्ण धारणाओं एवं बाहरी परिस्थितियों के प्रभाव से पूर्णतया मुक्त रहना चाहिए। सही मानसिक स्थिति के लिए साक्षीद्रष्टा का भाव होना चाहिए। स्वयं की स्थिति और उस पर पड़ने वाले बाहरी प्रभावों को सही रूप से देखने के लिए साक्षीद्रष्टा का भाव होना जरूरी है इन प्रभावों के प्रति सचेत रहना भी आवश्यक है अन्यथा ये व्यक्ति की परख शक्ति और निर्णय शक्ति को खत्म कर देगे। संतुलन स्थिरता की चाबी है।

कड़वाहट और मतभेदों को परमात्मा पर करें अर्पण: दादी

महाशिवरात्रि उत्सव

आबू रोड के शांतिकुंज में सजा आध्यात्मिक मेला

शिव आमंत्रण, आबू रोड। शिवरात्रि महोत्सव का पर्व ब्रह्माकुमारीज संस्था के अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय में भी धूमधाम से मनाया गया। जहाँ पांडव भवन, ज्ञान सरोवर तथा शांतिवन में शिव ध्वज फहराकर बुराईयों पर विजय प्राप्त करने का आह्वान किया गया वहीं आबू रोड के शांतिकुंज पार्क में भी चार दिवसीय आध्यात्मिक मेले का आयोजन किया गया। जिसमें शहर तथा आस-पास के लोगों ने बढ़चढ़कर हिस्सेदारी निभायी। आबू रोड के शांतिकुंज पार्क में आयोजित समारोह का उदघाटन करते हुए संस्था प्रमुख राजयेागिनी दादी जानकी ने कहा कि आज मायावी अजगर पूरी मानवता को निगल रहा है। ऐसे में जरूरी है कि हम परमात्मा की याद में रहकर बुराईयों से स्वयं को मुक्त करें तथा जीवन में सुख शांति के लिए परमात्मा शिव के श्रीमत पर चलें। यह शिवरात्रि महोत्सव इसी उददेश्य के साथ लगाया गया है। शहर के बीच होने के कारण लोगों को बाबा अमरनाथ के दर्शन करना आसान होगा।

जिला प्रमुख पायल परशुराम पुरिया ने कहा कि परमात्मा शिव सबकी बुराईयों को समाप्त कर अच्छाईयों को भरने वाले है इसलिए इस शिवरात्रि पर परमात्मा पर अपनी बुराइयों का अर्पण कर दें। यही मेले का उददेश्य है। शहर में लगा यह महोत्सव लोगों की जिन्दगी में एक मील का पत्थर साबित होगा। संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी तथा संस्था के महासचिव बीके निर्वैर ने कहा कि महाशिवरात्रि पर 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन तो होंगे ही साथ में आस पास के लोगों के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें रक्तदान, आयुर्वेद, नशामुक्ति के लिए भी कैम्प का भी आयोजन किया गया। आबू रोड पालिका चेयरमैन सुरेश सिंदल ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि पालिका के सहयोग से संस्था ने बहुत अच्छा प्रयास किया है इससे लोगों में नयी चेतना आयेगी।

ये रहे उपस्थित: संस्था के सूचना निदेशक बीके करूणा, कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय, शांतिवन के मुख्य अभियन्ता बीके भरत, बीके आत्म प्रकाश, बीजेपी के नगरध्यक्ष राजेन्द्र गोयल, सदर थानाधिकारी भंवरलाल, बीएस मेमोरियल के प्रमोद चौधरी समेत कई लोगों ने अपने अपने विचार व्यक्त किये। इसके साथ ही बीजेपी के अरुण परशुराम पुरिया, बीके रामसुख मिश्रा, बीके देव, बीके भानू, बीके मोहन, बीके कोमल समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

किया अवलोकन

मेले का अवलोकन ब्रह्माकुमारीज संस्था की कार्यक्रम प्रबन्धिका बीके मुन्नी, ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा बीके मोहिनी, आबू रोड रेवदर विधायक जगसीराम कोली, आबू पिण्डवाड़ा विधायक समाराम गरासिया, माउण्ट आबू उपखण्ड अधिकारी रमेश पोखरवाल, पूर्व यूआईटी चेयरमैन हरीश चौधरी समेत बड़ी संख्या में लोगों ने अवलोकन किया।

मेले का उद्घाटन

उद्घाटन करतीं संस्था प्रमुख दादी जानकी तथा अन्य, शिवरात्रि पर ध्वजारोहण करते अतिथि, शिव दर्शन एक्सप्रेस, पोलो ग्राउण्ड में सम्बोधित करती दादी

यह था आकर्षण का केन्द्र

अमरनाथ की बर्फीली गुफा, दुनिया को निगलता मायावी अजगर, 12 ज्योतिर्लिंग, कुम्भकर्ण की झांकी लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र है। मेले में पानी बचाओ, बिजली बचाओ, बेटी बचाओ सशक्त बनाओ, उर्जा संवर्धन, स्वच्छता अभियान, अनुभूति कक्ष भी बनाया गया है। जिसका स्थानीय लोगों ने पूरा लाभ लिया।

संस्थान के ज्ञानसरोवर और पांडव भवन में ध्वजारोहण कर शिवजयन्ति का पर्व मनाया गया। जिसमें संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी, अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

महिलायें ही देश का भविष्य उज्जवल बनायेगी -अमृता

सखी मिनीथॉन के आयोजन में महिलाओं का उमड़ा सैलाब

शिव आमंत्रण, घाटकोपर। मुम्बई में ब्रह्माकुमारीज़ के घाटकोपर सेवाकेन्द्र द्वारा सखी मिनिथॉन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाराष्ट्र मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी अमृता फड़नवीस ने कहा कि महिलाओं की मौजूदगी की वजह से ही ये दुनिया खूबसूरत बनी है और आज महिलाओं से ही देश का भविष्य उज्जवल बनेगा।

वे सीख मिनीथॉन में के उदघाटन पर उमड़ी महिलाओं को सम्बोधित कर रही थी।

उन्होंने कहा कि दुनिया का एकमात्र यह ब्रह्माकुमारीज संस्थान है जो महिलाओं को शक्ति और दुर्गा के रूप में शक्तिशाली बनाता है। यही संस्था लाखों लोगों की जिन्दगी में शक्ति और उर्जा का सचार करता है। इस अवसर पर अन्य अतिथियों ने भी अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस मिनीथॉन में बड़ी तादात में उपस्थित होकर महिलाओं ने ये साबित कर दिया कि हमारी महिलाएं सशक्त व पूर्ण रुप से मजबूत है।

घाटकोपर आचार्य अत्रे स्पोर्ट्स ग्राउण्ड में आयोजित इस मिनिथॉन का उपस्थित विशिष्ट अतिथियों ने गुब्बारे उड़ाकर तथा विभिन्न झंडिया फहराकर रवाना किया। 4 किलोमीटर तय की गई इस मिनिथॉन में 11 से 60 वर्ष तक उम्र की 3600 महिलाओं ने हिस्सा लिया, जिसमें से विजेताओं को ट्रॉफी, ताज तथा प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

यूं दिखाया उत्साह

सखी मिनीथॉन को झंडा दिखा कर रवाना करते अमृता फड़नवीस व अन्य अतिथि तथा प्रतिभागियों ने यूं दिखाया उत्साह।

किया उद्घाटन

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी अमृता देवेन्द्र फडनवीस, जी न्यूज तास के सीईओ डॉ उदय निरगुडकर, इंडिया न्यूज चैनल के नेशनल एडिटर मनीष अवस्थी, प्रख्यात गैस्ट्रो-एंट्रोलॉजिस्ट डॉ विपुल राय राठौड़, प्रख्यात चिकित्सक डॉ सुपर्णा निरगुडकर, प्रतिभा ग्रुप की अध्यक्षा उषा कुल्कर्णी, प्रख्यात बिल्डर ललित धरमानी, जी न्यूज तास की एंकर भावना मुंजाल, ब्रह्माकुमारीज़ के सूचना एवं जनसम्पर्क निदेशक बीके करुणा, घाटकोपर सबजोन प्रभारी बीके नलिनी, बीके निकुंज समेत अन्य कई प्रतिष्ठित लोगों ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

एकता सूत्र का प्रतीक है नारी : कोहली

88वें महिला अधिवेशन में देशभर की महिलाओं ने लिया हिस्सा

शिव आमंत्रण, गुड़गॉंव। गुड़गॉंव के ओआरसी में संस्थान तथा महिला परिषद के संयुक्त तत्वाधान में 88वें अधिवेशन का आयोजन किया गया। अधिवेशन को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अखिल भारतीय महिला परिषद् की अध्यक्ष वीणा कोहली ने माँ की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि दुनिया मे माँ से बढ़कर कुछ भी नहीं है। माँ हमारे आदर्शों की जननी है। वह हमारी प्रथम गुरू होती है। भारतीय संस्कृति मे माँ के आदर्श को प्रथम बताया है। उन्होने महिलाओं से आहवान करते हुए कहा कि जिस परिवार मे एकता होती है वह बलशाली होता है और पारिवारिक एकता बनाये रखने में महिलाओं की मुख्य भूमिका होती है। इस अधिवेशन का उद्घाटन वीणा कोहली, ओम शांति रिट्रीट सेन्टर की निदेशिका बीके आशा, परिषद की शाखा गुड़गॉंव की अध्यक्ष आशा शर्मा सहित कई प्रतिष्ठित महिलाओं ने दीप जलाकर किया।

इस अवसर पर देश के विविध प्रदेशों से लगभग 300 सदस्यों ने तीन दिवसीय अधिवेशन में हिस्सा लिया। अधिवेशन की शुरूआत में ओपन स्काई स्कूल सेक्टर 5 गुडगाव की छोटी-छोटी बालिकाओं ने गणेश वंदना सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तूत किया। अधिवेशन की अध्यक्षता करते हुए वीणा कोहली ने कहा कि आज हमे जाति-पाति से ऊपर ऊठकर केवल राष्ट्रीय हित के बारे में सोचना चाहिए। हमारा सभी का उद्देश्य राष्ट्रीय उन्नति है।

गुडगांव की अध्यक्ष आशा शर्मा ने अखिल भारतीय महिला परिषद द्वारा किए जा रहे विविध कार्यों के बारे मे जानकारी दी।

महिला अधिवेशन का उद्घाटन करती बीके आशा व अन्य अतिथि।

‘हेल्थ, एजुकेशन और हैप्पीनेस का हब है कार्निवाल’

शिव आमंत्रण, बांद्रा। मुम्बई के बांद्रा इस्ट में ब्रह्माकुमारीज़ के सांताक्रुज ईस्ट सेवाकेन्द्र द्वारा 9 दिवसीय आध्यात्मिक कार्निवल का आयोजन किया गया। कार्निवल में परमात्मा का दिव्य अवतरण एवं कर्तव्य, राजयोग की परिभाषा, राजयोग से प्राप्ति, स्वस्थ एवं सुखी समाज का निर्माण, अज्ञान निद्रा में सोया कुम्भ करण तथा आने वाली नई सतयुगी दुनिया की मनोरम झांकी समेत अन्य कई मुख्य स्टॉलें लगाई गई थी। एज्युकेशन, हैल्थ एण्ड हैप्पीनेस विषय पर आधारित इस विशाल कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर महाराष्ट्र विधान परिषद् के सदस्य अनिल परब, बांद्रा इस्ट की विधायक तृप्ति सावंत, सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री वर्षा उसगांवकर, संस्थान के महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश तथा तेलंगाना ज़ोन की निदेशिका बीके संतोष, सूचना जनसम्पर्क निदेशक बीके करुणा, बीके मीरा ने किया।

सदभावना रैली से शहर में होगा अमन चैन: सिन्हा

80वां शिव जयंती महोत्सव

मउ, उत्तर प्रदेश: सदभावना रैली को हरी झंडी दिखाकर रवानगी करते अतिथि।

शिव आमंत्रण, मउ। शहर मे अमन चैन तथा भाई चारे के लिए महाशिवरात्रि के पर्व पर सदभावना रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का मउ के वाणिज्य कर अधिकारी डा संजय सिन्हा तथा एस एन पांडेय, मउ सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके विमला ने हरी झंडी दिखाकर रवानगी दी। यह रैली शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए अपने गन्त्वय स्थान पर समाप्त हो गयी।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि आये सिन्हा ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से अमन चैन और शांति सदभावना बना रहता है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान लम्बे समय से जिले में शांति एवं सदभावना के लिए कार्य कर रहा है। इसलिए इसमें हम सभी को हर सम्भव मदद करनी चाहिए। कार्यक्रम में पूर्व पालिका चेयरमैन राना खातून, सरोज राना, डा रघुनन्दन अग्रवाल, कंचन तिवारी, एपी सिंह, बीके गोमा, ओम प्रकाश गुप्ता, समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में पुलिस के आला अधिकारी मौजूद थे।

उद्घाटन समारोह | **महिला व बाल विकास मंत्री अनिता भदेल ने किया वेल्यू एजुकेशन सेंटर के उद्घाटन समारोह में कथन**

मूल्य आधारित शिक्षा से ही बदलेगा समाज-भदेल

शिव आमंत्रण, अजमेर। ब्रह्माकुमारीज के अजमेर स्थित वैल्यू एज्युकेशन सेंटर से जो प्रकम्पन्न निकलेंगे वह इस पूरे क्षेत्र को प्रभावित करेंगे। व्यक्ति स्वयं अनुशासित होता है तो समाज अनुशासित होगा। दुनिया मे कोई ऐसा मंच नहीं, केंद्र नहीं जहाँ यह चीजें बताई जा सके। निश्चित रूप से आने वाले समय में यह सेन्टर आम जनता के लिए लाभकारी होगा। उक्त विचार राजस्थान की महिला व बाल विकास मंत्री अनिता भदेल ने ब्रह्माकुमारीज द्वारा अजमेर के नवाब का बेड़ा में शुरू किए गये वैल्यू एज्युकेशन एवं रिट्रिट सेंटर के उद्घाटन अवसर पर व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि भौतिक शिक्षा के साथ-साथ मूल्यों की शिक्षा अति आवश्यक हो गयी है। बिना मूल्यों के आज की पीढ़ी मूल्यहीन होती जा रही है। यह मूल्य आधारित शिक्षा युवाओं में सुसंस्कार भरने की अहम भूमिका निभायेगी। ब्रह्माकुमारीज संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि परमात्मा ने हमें मूल्यों की शिक्षा दी है। जरूरी है कि इसे जीवन में उतारने का प्रयास करें। हमें यह पक्का विश्वास है कि आने वाले लोग निश्चित तौर पर जीवन में इन्हें अपनाने का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम में शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष बीके मृत्युंजय, यूरोप सेवाकेंन्द्रो की निदेशिका बीके जयंति, आर्किटेक्ट माधुरी यादव, हॉंगकॉंग से बिजनेसमैन अर्जुन दास मेल्वानी, मीनू मेल्वानी, अहमदाबाद के अंबावाड़ी सेवाके न्द्र प्रभारी बीके शारदा ने भी अपने अपने विचार व्यक्त किये। हांगकांग से बिजनेसमैन दादा अर्जुनदास मेलवानी ने बताया, यहां वैल्यू एज्युकेशन सेंटर बनाने का इरादा ब्रह्माकुमारीज का था और इन्होंने मुझे इसके लिये प्रेरित किया । मैंने ये पूरी बिल्डिंग तैयार करवा दी, अब आगे का कार्य स्वंय ब्रह्माकुमारीज का ही है।

समारोह को संबोधित करतीं अनिता भदेल व उद्घाटन करतीं दादी रतनमाहिनी।

दिव्य महोत्सव में 13 हजार किसान हुए शामिल

शिव आमंत्रण, पालनपुर। वर्तमान समय में अनेक कारणों की वजह से किसानों को उनकी मेहनत का परिणाम सार्थक नहीं प्राप्त होता है। ऐसे में अगर हम परमात्मा से जुड़ते है तो हमारा मानसिक सशक्ति करण होगा जिससे हम आने वाली परिस्थितियों का सहज ही सामना कर सकते है। उक्त विचार व्यक्त किये आरोग्य और परिवार कल्याण मंत्री शंकर चौधरी ने। वे ब्रह्माकुमारीज संस्थान के ग्राम विकास प्रभाग तथा गुजरात के पालनपुर सेवाकेंद्र द्वारा आयोजित किसान सशक्तिकरण दिव्य महोत्सव में उपस्थित सभा को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज हर क्षेत्र, वर्ग का व्यक्ति एक सीमित दायरे में सिमट गया है। उसकी सोच हद में रह गई है। ऐसे में वह अपने आप को अकेला और कमजोर महसूस करता है। इसी कड़ी में किसानों की दशा सबसे दयनीय है। इस अवसर पर संस्था के ग्रामविकास प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बीके राजू, विधायक महेश पटेल, एनडीडीबी के कार्यकारी निदेशक संग्राम सिंह चौधरी, बनासडेरी के उपाध्यक्ष मावजी देसाई, शिवम सेल्स के प्रमुख शिवराम पटेल, नगरपालिका प्रमुख नीलम जानी, ग्राम विकास प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका बीके सरला के साथ-साथ मुज़फ्फरपुर सबजोन प्रभारी बीके रानी, पालनपुर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके भारती, भीनमाल सेवाकेंद्र प्रभारी बीके गीता, स्थानीय सेवाकेंद्र प्रभारी बीके भारती भी कार्यक्रम मे उपस्थित रहीं। बीके राजू ने शाश्वत यौगिक खेती के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में 475 गॉंवों के 13 हजार किसान शामिल हुए। इसमें कई संस्थानों के लोगों का भी सहयोग रहा।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय

ब्रह्माकुमारीज को वाटर मैनेजमेन्ट अवार्ड

अफगानिस्तान की पूर्व मंत्री से अवार्ड प्राप्त करते बीके शंभूनाथ व यशवंत पाटिल।

शिव आमंत्रण, आबूरोड। पानी बचाने, सही उपयोग करने तथा संरक्षण के क्षेत्र में किये गये उल्लेखनीय कार्यों के लिए ब्रह्माकुमारीज संस्थान को अन्तर्राष्ट्रीय बेस्ट वाटर मैनेजमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह अवार्ड ब्रह्माकुमारीज संस्था के वाटर डिपार्टमेंट के प्रमुख बीके शम्भू को अफगानिस्तान की पूर्व मंत्री मशूदा जलाल ने मुम्बई के ताज एण्ड लैण्ड होटल में आयोजित समारोह में दिया। ग्लोबल सीएसआर कांग्रेस की ओर से आयोजित इस समारोह में पूरे विश्व के पचास लोगों को चुना गया था जिसमें ब्रह्माकुमारीज संस्थान भी शामिल था। मुम्बई में पानी बचाने के क्षेत्र में कार्य कर रहे हजारों लोगों की मौजूदगी में संस्थान के वाटर विभाग के प्रमुख बीके शम्भू को अवार्ड दिया गया। इसके साथ ही वाटर मैनेजेमेंट में मुख्य भूमिका निभाने वाले सीएसआर अधिकारी बीके यशवन्त को भी आस्ट्रेलिया सरकार के पानी विभाग की योजना सलाहकार होन कारलेने मायवर्ल्ड ने प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया। इसके साथ ही यह अवार्ड ओएनजीसी, टाटा मोटर्स, जॉन्सन एण्ड जॉन्सन, रिलायंस, एलएण्ड टी को भी प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में सभी क्षेत्रों के प्रमुख शामिल हुए।

वर्ल्ड डॉटर्स डे पर बेटियां सम्मानित

वर्ल्ड डॉटर्स-डे पर सम्मानित बेटियां बीके शारदा व अतिथियों के साथ।

शिव आमंत्रण, अहमदाबाद। अहमदाबाद में वर्ल्ड डॉटर्स डे फाउण्डेशन तथा स्वयं सिद्ध फाउण्डेशन द्वारा वर्ल्ड डॉटर्स डे मनाया गया। एच. के कालेज के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ को भी आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर महापौर गौतम शाह, स्वयं सिद्ध फाउण्डेशन के संस्थापक राकेश व्यास तथा सदस्य डॉ श्रीनाथ व्यास, नगर पालिका के पार्षद नन्दिनी पंड्या, पुलिस हार्ट 1091 की संस्थापक रुज़ान खंबाटा, ब्रह्माकुमारीज़ के अम्बावाड़ी सेवाकेन्द्र की प्रभारी बीके शारदा, स्वयं सिद्ध फाउण्डेशन की संस्थापक तथा वर्ल्ड डॉटर्स डे फाउण्डेशन की प्रतिनिधि वनिता व्यास, डॉटर्स डे फाउण्डेशन के संस्थापक डॉ संदीप सिंह ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। विश्व बेटी दिवस पर आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में गुजरात की कुछ प्रतिभाशाली बेटियों को अवार्ड से नवाजा गया, जिन्होंने विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में अपनी विशेष प्रतिभाएं दिखाई है। इस दौरान बीके शारदा को भी उपस्थित प्रख्यात हस्तियों ने सम्मान दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

महाराष्ट्र के श्रम मंत्री का शांतिवन दौरा

शिव आमंत्रण, शांतिवन,आबू रोड। महाराष्ट्र के आवासन, श्रम एवं खनन मंत्री प्रकाश मेहता सपरिवार ब्रह्माकुमारीज संस्था के अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन पहुंचे। शांतिवन पहुंचने पर संस्था के सूचना निदेशक बीके करुणा, शांतिवन प्रबन्धक बीके भूपाल, शांतिवन के मुख्य अभियन्ता बीके भरत, मुम्बई के बीके निकुंज समेत कई लोगों ने उनकी आगवानी की। शांतिवन पहुंचने के पश्चात उन्होंने संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान दादी हृदयमोहिनी ने कहा कि जीवन में सुकुन एवं शांति के लिए अध्यात्म जरुरी है। इसके पश्चात वे विशाल शांतिवन, विशाल रसोईघर, सौर उर्जा का अवलोकन कर अभिभूत हो उठे।

महाराष्ट्र के श्रम मंत्री प्रकाश मेहता को ईश्वरीय सौगात देते हुए दादी हृदयमोहिनी जी तथा बीके भरत।

स्वस्थ समाज के लिए सामूहिक कार्यक्रम

शिव आमंत्रण, राजकोट। राजकोट में गोंडल सेवाकेन्द्र द्वारा कोटडिया समाज मंदिर में सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए स्नेह-मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ब्रह्माकुमारीज़ के स्थानीय सेवाकेन्द्र द्वारा स्वस्थ एवं सुखी समाज के लिए राजयोग विषय पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम का उद्घाटन गोंडल प्रदेश में हवा महल के साहेब कुमार उपेन्द्र सिंह जडेजा, कार्यकारी मैजिस्ट्रेट आर. आर. बोरड, राजकोट सबज़ोन प्रभारी बीके भारती, प्रभाग की कार्यकारी सदस्या बीके रतन, स्थानीय सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके भानु, पंचशील से वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके अंजू समेत राजकोट की कई वरिष्ठ बीके बहनों ने दीप जलाकर किया।

भोपाल व नागपुर में जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ शिवानी बहन के कार्यक्रमों का आयोजन

स्वर्णिम भारत निर्माण के लिए करें मन की सफाई-शिवानी

यह पहला अवसर है जब देश के दो शीर्ष मीडिया घरानों लोकमत समूह नागपुर तथा दैनिक भास्कर समूह ने जीवन प्रबन्धन पर कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें ब्रह्माकुमारीज संस्थान की जीवन प्रबन्धन विशेषज्ञ बीके शिवानी को आमंत्रित किया गया। बीके शिवानी जीवन के उन सभी पहलुओं पर प्रकाश डाला जो बेहतर जीवन के लिए जरूरी है।

शिव आमंत्रण, नागपुर। लोकमत समाचार और ब्रह्माकुमारीज़ ईश्वरीय विश्व विद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार को विभागीय क्रीड़ा संकुल, मानकापुर के इनडोर स्टेडियम में आयोजित व्याख्यान में बीके शिवानी ने कहा कि यदि हमें स्वर्णिम भारत का निर्माण करना है तो पहले हमें मन की सफाई करनी होगी,। क्रोध, लोभ, मोह तथा ईर्ष्या रूपी मैल ने हमारी आत्मा को मैला कर दिया है, हमें अपनी आत्मा से इस कचरे को डिलीट करना होगा। तभी हम परमात्मा से जुड़ पाएंगें। वे हजारों की संख्या में उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि फिर हम चार्ज हो जायेगें और हमारा जो मांगने का भाव है वह देने के भाव में बदल जाएगा, हम शांति का अनुभव करेंगे, अपने भीतर सौन्दर्य महसूस करेंगे, हम दैवांय हो जायेगे। आत्मा के परमात्मा से जुड़ने को ही हम राजयोग कहते है। जीवन में कभी परेशान, कभी दु:खी, कभी फिर खुश इस तरह से ऊपर-नीचे होते रहते है, शायद ही कोई ऐसा हो जिसके चेहरे पर हमेशा एक ही भाव बना रहे। जब हम उदास, भयभीत, क्रोध में रहते है तो कलियुग में होते है और जब हम खुश, शांत होते है, देने का भाव रखते है तो सतयुग में होते है। अत: कलियुग में रहना है या सतयुग में रहना है यह हमारी च्वाईस है। फिल्म अभिनेता सुरेश ओबेरॉय ने अपने जीवन के अनुभव सुनाते हुए कहा कि किस तरह से उनक जांवन स गुस्सा और गुरूर समाप्त हुआ, इसका सारा श्रेय ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय को देते हुये उन्होने कहा कि ब्रह्माकुमारी जैसी बहनें पूरी दुनिया में कहीं नहीं है, मेरा तो जीवन ही बदल गया, बीके पुष्पपारानी ने भी आशीर्वचन दिये तथा मंच पर प्रमुखता से बीके रजनी और सुशील अग्रवाल उपस्थित थे। इस अवसर पर विदर्भ क्षेत्र की प्रभारी बीके पुष्पारानी, नागपुर सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके रजनी तथा नागपुर के प्रतिष्ठित व्यवसायी सुशील समेत कई लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम में लोकसमूह के एडिटोरियल बोर्ड के चेयरमैन एंव सांसद विजय दंडा ने शिवानी बहन और फिल्म अभिनेता सुरेश ओबेरॉय का शॉल-श्रीफल के साथ सम्मान किया तथा नागपुर सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके पुष्पारानी का भी स्वागत किया गया।

जनसैलाब उमड़ा

नागपुर कार्यक्रम में उपस्थित जन समूह।

हम धन्य हुए

हम अधिकतर शिवानी बहन को टीवी पर देखा करते थे। तभी से हमारी इच्छा थी कि नागपुर में जीवन प्रबन्धन पर कार्यक्रम का आयोजन हो जिससे हमारे अन्दर छिपे मैं को बाहर निकाल सकें। हमारा देश इसके कारण दुनिया भर में जाना जाता है। इन्होंने हमारी संस्कृति में जो धन छिपा है उसे दुनिया को दिखाने का प्रयास किया है।

- विजय दर्डा, चेयरमैन, लोकमत समूह, नागपुर

लाभ के लिए दूसरों का सोचें भला : बीके शिवानी

शिव आमंत्रण, भोपाल। पैसा कमाने के लिए आजतक हमने इतनी मेहनत की खुशी कमाने के लिए कुछ नही करेंगे? हमारे आसपास हर एक पैसा कमाने के लिए गाडी चला रहा है, हमे खुशी कमाने के लिए गाडी चलानी है। इसलिए हमारा गाडी चलाने का तरीका और दूसरे लोगों का गाडी चलाने का तरीका अलग है। धन कमानेवालों को रेड सिग्नल तोड़ना एलाउड है, मुझे नहीं क्योंकि मुझे खुशी कमानी है। दुआयें कमाने के लिए हमे दूसरे का लाभ सोचना होगा। उक्त उदगार जीवन प्रबन्धन विशेषज्ञ बीके शिवानी ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज तथा भास्कर समूह के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में बोल रही थी।

नमन व अभिवादन

स्वागत करते मंत्री बाबूलाल गौर व रमेशचंद्र अग्रवाल।

उन्हान कहा कि समझा आप किसी दुकानदार के पास फल लाने गये और उस दुकानदार ने कहा, आज दूसरे दुकान से लो आज मेरे पास ताजा नहीं है तो दूसरे दिन आप उसके ही दुकान से खरीदोगे। दूसरों का फायदा सोच के करेंगे तो धन और दुआ दाना कमाएग। परमात्मा ने हमें ज्ञान और समझ दी कि हम दूसरों के लिए भी सोंचे। कार्यक्रम में भोपाल जोन की निदेशिका बीके अवधेश, गुलमोहर कालोनी सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके रीना ने भी अपने अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर भास्कर समूह के निदेशक सुधीर अग्रवाल, गिरिश और पवन अग्रवाल समेत बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही।

मन में है खुशी

मृग कस्तुरी के लिए दुनियाभर घूमता रहता है लेकिन कस्तूरी उसके अंदर ही रहती है। वैसे खुशी हमारे अंदर होते हुए हम खुशी के चक्क र मे भौतिक चीजों को लेकर दुनियाभर घूमते रहते है। पैसा से भौतिक चीजें खरीदी जा सकती है लेकिन खुशी नहीं खरीद सकती। शांति और खुशी लोगों को प्राप्त कराने के कार्य में एक ही संस्था कार्यरत है और उसका नाम है ब्रह्माकुमारीज़।

- रमेश चन्द्र अग्रवाल, चेयरमैन, दैनिक भास्कर समूह, भोपाल

क्विक न्यूज़

लातूर ब्रह्माकुमारीज को ऊर्जा संवर्धन अवार्ड

शिव आमंत्रण, लातूर। महाराष्ट्र ऊर्जा विकास अधिकरण (महाऊर्जा) द्वारा लातूर ब्रह्माकुमारीज को ऊर्जा संवर्धन एवं एक्सीलेन्स इन मेनेजमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में ब्रह्माकुमारीज के उल्लेखनीय कार्य को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार द्वारा पुणे में एक विशाल कार्यक्रम में लातूर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके नंदा तथा ऊर्जा ऑडिटर बीके केदार को यह पारितोषिक प्रदान किया गया। यह अवार्ड पुणे के फोर पॉइंट के सभागार में ऊर्जा मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले द्वारा दिया गया। इस कार्यक्रम में वैज्ञानिक डॉ. अनिल काकोडकर, महाऊर्जा के महासंचालक नितीन गद्रे, डॉ. सतीश चंद्र जोशी भी उपस्थित थे। ब्रह्माकुमारीज संस्थान पिछले कई वर्षों से ऊर्जा बचाने के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। इसके तहत ही यह अवार्ड दिया गया। इसके साथ ही कई और अवार्डों से इस प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया है।

सामूहिक राजयोग ध्यान वर्ल्ड रिकॉर्ड बुक में

शिव आमंत्रण, कोल्हापूर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के कोल्हापूर सेवाकेंद्र के 40 वें स्थापना दिवस के निमित्त सामूहिक राजयोग ध्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 26 हजार से भी ज्यादा लोग उपस्थित थे। इस अनोखे कार्यक्रम की एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स् में रिकॉर्ड करने की घोषणा की गई। कार्यक्रम में उपस्थित हजारों लोगों ने गहन शान्ति की अनुभूति की। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज की संयुक्त मुख्य प्रशासिका डॉ. दादी रतनमोहिनी के साथ-साथ बिहार के पूर्व राज्यपाल डॉ. डी. वाय. पाटील, ब्रह्माकुमारीज़ की महाराष्ट्र और आंध्रा की क्षेत्रीय संचालिका बीके संतोष, जिला पुलिस अधीक्षक प्रदीप देशपांडे, भाजपा के महेश जाधव, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्डस के मोहन जोशी उपस्थित थे। दादी रतन मोहिनी ने कहा, परमात्मा से टूटी हुई आत्मिक भावना फिर से जोड़ी जाएँ तो दुनिया के कलह-क्लेश मिट जाएँगें। दादी रतन मोहिनी का स्वागत के लिये 300 कुमारियाँ लक्ष्मी-नारायण की वेशभूषा में सुसज्जित होकर किया गया। नारायण गाँव के बीके दशरथ ने सभी उपस्थित जनों को संस्था की सेवाओं से अवगत करवाया। कार्यक्रम का पुरा नियोजन कोल्हापूर सेवाकेंद्र संचालिका बीके सुनंदा और उनके सेवासाथीयो ने किया।

स्वंय परमात्मा शिक्षक बनकर पढ़ाते हैः बोहरा

शिव आमंत्रण, उदयपुर। यह एक अनोखा विश्वविद्यालय है जहाँ परमात्मा स्वंय शिक्षक बनकर पढ़ाते है। उनकी शिक्षा सहज और व्यवहारिक है। उक्त विचार वर्धमान महावीर खुला विवि की डायरेक्टर रश्मि बोहरा ने व्यक्त किये। वे उदयपुर सेवाकेन्द्र द्वारा शिव जयंती के उपलक्ष में आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रम को सम्बोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि यहाँ परमात्मा जो मूल्यपरक समाज बनाने की शिक्षा दे रहे है, उससे लाखों लोगों के जीवन में परिवर्तन आया है। अत: विश्वभर के लिये वो दिन दूर नहीं जब हमारे समाज में स्वस्थ, सुन्दर एंव स्वच्छ वातावरण बनेगा और संस्था के सदस्य स्वंय व दूसरों के संस्कारों को भी अच्छा बनाने में मदद कर रहे है। उदयपुर सेवाकेन्द्र संचालिका बीके रीटा ने कहा कि शिव जंयति सर्व पर्वों में महान पर्व है लेकिन इसका ज्ञान ना होने के कारण लोगों ने अनेक आडम्बर रच लिये है और इस त्यौहार की पवित्रता से दूर होते जा रहे है। अत: आज जरूरत है वास्तविकता को जानने की।

महिलाएं करें कुरीतियों का संहार-ठाकुर

ज्योतिर्लिंग मेले में उमड़ा बॉलीवुड कलाकारों का समूह

ज्योतिर्लिंग मेले के उदघाटन अवसर पर जुटीं राजनीतिक व फिल्मी हस्तियां।

शिव आमंत्रण, गारंगांव, मुम्बई। महाशिरात्रि का महापर्व भोलेनाथ से मिलने और खुद के अन्दर शक्ति भरने का पर्व है। इसके साथ ही जुड़ा महिला दिवस पर महिलायें शिव की शक्ति बनकर सामाजिक बुराईयों को समाप्त करने में अपनी भूमिका निभायें। उक्त उदगार महाराष्ट्र की महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री विद्या ठाकुर ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज संस्थान गोरेगॉव द्वारा आयोजित 12 ज्योतिर्लिंग मेले के उदघाटन अवसर पर बोल रही थी। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान ने पूरे विश्व में महिलाओं को सम्माननीय दर्जा दिलाया है। ऐसा और किसी भी संस्था में नहीं है कि वहां की महिलायें ही संस्थान का प्रतिनिधित्व करती हैं। उन्होंने परमात्मा शिव से शक्ति लेकर जीवन को श्रेष्ठ बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रियंका चोपड़ा की माँ डा0 मधु चोपड़ा ने कहा कि मैं तो काफी समय से ब्रह्माकुमारीज संस्थान से जुड़ी हूँ। मैं उस वक्त संस्थान से जुड़ी जब मुझे जीवन में बहुत इसकी आवश्यकता थी। कार्यक्रम में बोरीवली सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके दिव्य प्रभा ने शिवरात्रि के आध्यात्मिक रहस्यों से अवगत कराते हुए कहा कि देवों के भी देव है परमात्मा शिव। इसलिए हमें अपनी परमात्मा से मिलने वाली शक्ति से जीवन को सजाना चाहिए। कार्यक्रम में प्रियंका चोपड़ा के सचिव बीके चांद मिश्रा, गुरमित चौधरी समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

मुझे आज पता पड़ा कि उपवास का सही अर्थ क्या है। यदि हम अपने छिपे विकारों से उपवास करना प्रारम्भ कर दें तो जीवन अच्छा और महान बन जायेगा। ब्रह्माकुमारीज बहनें पूरे विश्व में मार्गदर्शक की भूमिका में हैं। यह महिलाओं के लिए सम्मान हैं।

- रविना टंडन, सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री, मुम्बई

नारी शक्ति की प्रतीक है। परमात्मा शिव ने भी महिलाओं को शक्ति रूप प्रदान किया है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान खुद के सम्मान के साथ महिलाओं का सम्मान करना सीखता है बेहद सुकुन भरा है।

- राजपाल यादव, फिल्म अभिनेता, मुम्बई

इस संस्थान ने ऐसे समय पर हमें शक्ति और प्यार से सींचा है जब मुझे लगा कि इस दुनिया में मेरा सबकुछ समाप्त हो गया है। वास्तव में राजयोग में बहुत शक्ति है।

- कुनिका, फिल्म अभिनेत्री, मुम्बई

आज महसूस हुआ कि हमारे अन्दर कितनी शक्ति है। हम सभी आत्मायें है यदि इस भाव में टिकने का अभ्यास करें तो अंदर से शक्ति शाली बन जायेंगे।

- अंतारा बनर्जी, भोजपुरी एवं बंगाली फिल्म अभिनेत्री, मुम्बई

मैं हमेशा राजयोग करने का प्रयास करता हूँ, बहुत लम्बे समय से जुड़ा हूँ। शिवरात्रि पर परमात्मा और ब्रह्माकुमारीज बहनों को बधाई।

- परीक्षित साहनी, फिल्म अभिनेता, मुम्बई

महिला सशक्तिकरण की अनूठी मिसाल : विक्रम सिंह

शिव आमंत्रण, खजुराहो-म. प्र.। संस्था ने पूरे विश्वभर में नारीशक्ति की अनूठी मिसाल पेश की है। आज इतनी बड़ी कोई दूसरी संस्था नहीं है जिसका संचालन महिलायें करती हो। उक्त विचार है विधायक विक्रम सिंह के। वे मध्यप्रदेश के खजुराहो में विश्व परिवर्तन की बेला में शिव शक्तियों की भूमिका विषय पर आयोजित कार्यक्रम में अपना सम्बोधन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि आज यही एक ऐसी जगह है जहाँ से समाज के हर वर्ग को नयी दिशा देने का कार्य किया जा रहा है। यह कार्य काफी सराहनीय है। इस कार्यक्रम में खजुराओं एयरपोर्ट ऑथोरिटी के निदेशक किशोर शर्मा, नगर पंचायत अध्यक्षा कविता सिंह, माउण्ट आबू से ज्ञानामृत पत्रिका की संयुक्त सम्पादिका बीके उर्मिला, भोपाल के अरेरा कॉलोनी सेवाकेन्द्र की प्रभारी बीके रानी, छतरपुर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शैलजा, खजुराहो सेवाकेंद्र प्रभारी बीके विद्या ने दीप जलाकर किया। कार्यक्रम के दौरान बीके बहनों नें अतिथियों को ईश्वरीय सौगात भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोगों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

दूसरों के व्यवहार से अपना आन्तरिक सन्तुलन ना बिगाड़ें

शिव आमंत्रण, पुणे। पुणे हडप्सर सेवाकेन्द्र तथा संस्था के युवा प्रभाग के संयुक्त तत्वाधान में युवाओं के लिए जीतने का मनोविज्ञान विषय पर युवाओं के लिए आयोजित रिट्रीट मे बोलते हुए मन प्रबन्धन विशेषज्ञ बीके ईवी गिरिश ने कहा, जीतना, यह हमारी सोच में है। उन्होंने कहा कि दूसरों को जीतने से पहले खुद का मन जीतना ज्यादा जरूरी है। हमसे कोई कैसे भी व्यवहार करे, लेकिन हमारा आन्तरिक सन्तुलन सदा उच्च रहना चाहिये। रिट्रीट का उद्घाटन युवा प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, साधना सहकारी बैंक के चेयरैमन अनिल तुपे, महाराष्ट्र राष्ट्रवादी कांग्रेस की उपाध्यक्ष भारती ताई शेवाले, महाराष्ट्र युवा प्रभाग की जोन को-ऑर्डिनेटर बीके सुनन्दा, मन प्रबन्धन विशेषज्ञ बीके ईवी गिरिश, पुणे हडप्सर सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके सीमा, क्वार्टर गेट प्रभारी बीके पारु समेत कई लोगों ने दीप जलाकर किया। स्वच्छ, स्वस्थ, स्वर्णिम भारत और इग्राईटेड माईंडस, ब्रहमाकुमारीज के युवा प्रभाग द्वारा आयोजित इन दो उपक्रमों का शुभारंभ दादी रतन मोहिनी द्वारा किया गया। अन्य अतिथियों ने कहा कि देश की भविष्य दिशा और दशा तय करना युवाओं के हाथों में है इसलिए युवा अपने जीवन से दूसरों को प्रेरणा देने का संकल्प लें।

प्रोजेक्ट की हुई लॉचिंगः देशभर से बड़ी संख्या में आये युवक कार्यक्रम मे शामिल हुये। युवाओं में मूल्यों की पराकाष्ठा तथा मूल्यनिष्ठता को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छ, स्वर्णिम भारत और इग्राईट माइंड जैसे प्रोजेक्ट की भी यहां लॉचिंग की गयी। अमनोरा के पब्लिक टाउन आडिटोरियम में आयोजित समारोह में बड़ी संख्या में युवाओं समेत लोग शामिल हुए। पुणे क्वार्टरगेट सबजोन प्रभारी बीके पारू एवं युथ विंग महाराष्ट्र की प्रभारी सुनंदा ने भी अपने विचार व्यक्त किये। सातववाडी, हडपसर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सीमा ने सबका स्वागत किया। बीके शामल ने युथ विंग का परिचय दिया तथा बीके उर्मिला ने सूत्रसंचालन किया तथा अन्त में बीके प्रसाद ने आभार व्यक्त किया।

10 दिवसीय राजयोग उत्सव

डॉ. फारूख अब्दुल्ला ने कहा पूरे विश्व में फैलेगी शांति

'सच्चा धर्म बांधता है मानवता को एक सूत्र में'

शिव आमंत्रण, हरि नगर, नई दिल्ली। सच्चा धर्म ही मानव जीवन की नींव है और यह भाषाओं, संस्कृतियों, समुदायों और लोगों की विविधता के बीच मानवजाति को भाईचारा एवं एकता के सूत्र में बांधता है जिसकी आज आवश्यकता है। उक्त विचार पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. फारूख अब्दुला ने व्यक्त किये। वे संस्था द्वारा स्वस्थ और सुखी जीवन के लिए दस दिवसीय राजयोग उत्सव में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम महसूस करते है कि स्वंय में और समाज में सच्ची शांति, स्वास्थ्य, सदभाव और खुशी को बहाल करने के लिए हमें सभी के प्रति प्रेम, दया, करूणा और सेवा भाव को अपनाना होगा और वास्तव में यही आध्यात्मिकता है तथा ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा आयोजित राजयोग उत्सव का लक्ष्य भी यही है।

दिल्ली विधानसभा की उपाध्यक्षा श्रीमती वंदना ने कहा कि जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्रवाद आदि संकीर्ण सोच की ही देन है जो हमेशा देश और लोगों को अविभाजित करती है। ब्रह्माकुमारी संस्था ऐसा आध्यात्मिक मंच है जो विभाजनकारी ताकतों को एकजुट कर राष्ट्रीय एकता ला सकता है। दिल्ली के महिला एंव बाल विकास मंत्री संदीप कुमार ने कहा कि वर्तमान समय की मांग सम्पूर्ण परिवर्तन की है। केवल ऊपरी तौर पर लोगों के व्यवहार और कर्म में परिवर्तन से काम नहीं चलेगा।

अखिल भारतीय मस्जिद इमाम संगठन के मुख्य इमाम, डॉ इमाम उमर अहमद इलियासी ने कहा कि यहाँ सिखाया जाने वाला राजयोग न केवल स्वंय को आन्तरिक रूप से स्वस्थ , सशक्त, सन्तुलित एंव सुखी बनाता है अपितु यह तो स्वंय को परमात्मा से जोड़ने की सहज विधि है जो विश्व में शान्ति, सदभावना एंव भाईचारे को स्थापन करने का सहज साधन है। मेरा सभी से ये आग्रह है कि वे पर्यावरण की रक्षा करें एवं बीमार और वरिष्ठ नागरिकों की सेवा करें।

महाबोद्धि इंटरनेशनल मेडिटेशन सेंटर, लेह-लद्दाख के संस्थापक अध्यक्ष भिक्षु संघसेना ने लैंगिक भेदभाव बढ़ने पर चिंता जताते हुए कहा कि ऐसे में लिंग आधारित असमानता और क्रूरता समाप्त करने के लिये आध्यात्मिकता को अपनाने की जरूरत है। आध्यात्मिकता का अर्थ आचरण की महानता से है जो ब्रह्माकुमारीज़ संस्था में बहुत ही सरलता से सिखाई जाती है।

दिल्ली जोन की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी रूक्मिणी ने आशिर्वचन देते हुए आन्तरिक विकास के लिये प्रतिदिन कुछ मिनट राजयोग का अभ्यास करना जरूरी है। राजयोग द्वारा ही हम सदा के लिये व्यसनों, बुराईयों और बीमारियों से दूर रह सकते है।

संस्थान के अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन ने भारत में सबसे प्राचीन योग राजयोग ही है जिससे हम अपनी आन्तरिक भावनाओं एवं बाह्य कर्मेन्द्रियों को सुसंचालित कर अन्दर की कमी-कमजोरियों को दूर कर सकते है। इस उत्सव का लक्ष्य राजयोग से होने वाले लाभों को प्रभावी तरीके से जन-जन तक पहुँचाना और लोगों को सर्वांगीण स्वास्थ्य उपलब्ध करवाना है। समाज में शान्ति और सदभाव स्थापना विषय पर आयोजित सर्वधर्म सम्मेलन में अन्तर्राष्ट्रीय भजनसुख सेवा संस्थान के संस्थापक स्वामी सर्वानन्द सरस्वती, बहाई समुदाय के राष्ट्रीय ट्रस्टी डॉ. एके मर्चेन्ट, यहुदी समुदाय के मुख्य प्रीस्ट श्री ईआई मलेकर, शान्ति एंव सदभावना शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष डॉ. एम डी थामस एवं हुसैन मेमोरियल समाज के अध्यक्ष श्री दिलदार हुसैन बेग आदि धर्म नेताओं ने भी अपने-अपने विचार रखे।

इस अवसर अतिथियों ने सभी से आग्रह किया कि जीवन में मूल्यों को आत्मसात करें।

पीस ऑफ माइंड चैनल विश्व का पहला ऐसा चैनल है जो मनुष्य के प्रत्येक परिस्थितियों में काम आता है। सुख दु:ख में समान रहने और मानसिक शांति एवं सदभाव बनाये रखने का ईश्वर द्वारा दिया गया अनोखा उपहार है। इसे निम्न प्लेटफार्म पर देख सकते है कही भी, कभी भी।

Tata Sky	-192
Airtel	- 686
Videocon	-497
Reliece	**-171**

प्रकाशक एवं मुद्रकः ब्र.कु. करुणा द्वारा प्रकाशित एवं डीबी सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित। **Posted at Shantivan P.O. Dt. 18 to 20 of Each Month**

सलाहकार संपादकः प्रो. कमल दीक्षित **संपादकः** ब्र.कु. कोमल, **संयुक्त संपादकः** ब्र.कु. पुष्पेन्द्र। **आरएनआई नंबरः आरजेएचआईएन/ 2013/53539**

पत्र व्यवहार का पता

संपादकः ब्र.कु. कोमल, ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया एवं पब्लिक रिलेशन ऑफिस, शांतिवन-307310
आबू रोड- 307510, जिला-सिरोही मो. 8769830661, 9413384884